font>

Title: Need to merge all the rural banks with NABARD and set up an Indian National Rural Bank with a view to boost rural economy.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : देश में 28 राट्रीयकृत बैंकों द्वारा प्रायोजित 196 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने के लिए 1975 में की गई। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु 1982 में नाबार्ड की भी स्थापना की गई। यद्यपि ग्रामीण बैंकों ने ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, तथापि विभिन्न कार्य पद्धति एवम् विभिन्न राट्रीय वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रायोजित होने के कारण ग्रामीण बैंक अपने समग्र लक्ष्य की प्राप्ति में असफल हो रहे हैं। देश के 23 राज्यों के 511 जनपदों में सेवारत कुल 196 ग्रामीण बैंकों की जमा पूंजी 49,395 करोड़ रुपए की है और केवल वर्ा 2002-2003 में इनके द्वारा कुल 563 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया है। मैं चाहूंगा कि कृाि एवम् कृाि पर आधारित उद्योग धंधों और गांवों में छोटे-छोटे लघु उद्योगों की स्थापना हेतु वित्त पोाण, को सुप्रवाही बनाने के लिए सरकार समस्त ग्रामीण बैंकों को एकीकृत कर स्वतंत्र रूप से भारतीय राट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना के प्रस्ताव पर गम्भीरतापूर्वक विचार करे। यदि सरकार उचित समझे तो समस्त ग्रामीण बैंकों का एकीकरण नाबार्ड के नेतृत्व में करने पर विचार करे, जो किसानों के व्यापक हित में होगा।